महामारी के बीच वेबिनार शृंखला से जुड़े देश-विदेश के लोग : साहित्य अकादेमी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 23 दिसंबर।

मानवता पर आए हर संकट में साहित्य हमारा संबल बनता रहा है। इस बार भी साहित्य ने अपनी भरपूर भूमिका निभाई। सोशल मीडिया पर घर बैठे पढ़ने-पढ़ाने और संवाद स्थापित करने के नए मंच भी प्राप्त हुए। साहित्य अकादेमी द्वारा शुरू की गई वेबिनार शृंखला एक ऐसा ही प्रयोग थी जिसके जरिए अकादेमी ने देश और विदेश के साहित्य प्रेमियों के लिए एक ऐसा मंच दिया जिसमें वे एक दूसरे से जुड़ सके। छोटे स्तर पर शुरू हुए इन कार्यक्रमों में पहले दो से पांच प्रतिभागी होते थे और यह कार्यक्रम थे – साहित्य मंच, युवा साहिती, नारी चेतना, अस्मिता, कविसंधि, कथासंधि, पुस्तक चर्चा, दलित चेतना, आदिवासी कवि सम्मिलन आदि। बाद में हमने इसके जरिए कई बड़े परिसंवाद और संगोष्ठियां भी कीं। अभी तक साहित्य अकादेमी ने 423 कार्यक्रम किए जिसमें साहित्य प्रेमियों की संख्या –ट्विटर में 11 लाख से ज्यादा, फेसबुक पर लगभग 5 लाख से ज्यादा तथा यूट्यूब में लगभग 2 लाख रही। अकादेमी ने आभासी माध्यम पर कई 'प्रवासी मंच' कार्यक्रम भी आयोजित किए।

18 लाख साहित्य प्रेमियों तक पहुंचने में सफल रहा साहित्य अकादमी

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर(नवोदय टाइम्स): साहित्य अकादमी सचिव के श्रीनिवास राव ने बुधवार को जारी किए एक बयान में कहा कि मौजूदा समय में पूरी दुनिया जिस कोरोना महामारी से जूझ रही है, उससे हम सभी परिचित हैं। मानवता पर आए हर संकट में साहित्य हमारा संबल बनता रहा है। सोशल मीडिया पर घर बैठे पढ़ने-पढ़ाने और संवाद स्थापित करने के नए मंच भी प्राप्त हुए। साहित्य अकादमी द्वारा शुरू की गई वेबिनार शृंखला एक ऐसा ही प्रयोग थी, जिसमें साहित्य मंच, युवा साहिती, नारी चेतना, अस्मिता, कविसंधि, कथासंधि, पुस्तक चर्चा, दलित चेतना, आदिवासी कवि सम्मेलन आदि का आयोजन किया गया। बाद में हमने इसके जरिए कई बड़े परिसंवाद और संगोष्ठियां भी कीं, जो बेहद सफल रहीं। अभी तक साहित्य अकादमी ने 423 कार्यक्रम किए, जिसमें साहित्य प्रेमियों की संख्या ट्विटर पर 11 लाख से ज्यादा, फेसबुक पर लगभग 5 लाख से ज्यादा तथा यूट्यूब में लगभग 2 लाख रही।

साहित्य अकादमीची साहित्य श्रृंखला

म. टा. प्रतिनिधी, मुंबई

साहित्य अकादमीतर्फे '२०व्या शतकातील मराठी साहित्य' या विषयावर बुधवारी ३० डिसेंबरला चर्चासत्राचे आयोजन करण्यात आले आहे. याचे उद्घाटन सदानंद मोरे यांच्या भाषणाने होईल. त्यानंतर प्रमोद मनुघाटे, राजन गवस यांची भाषणे होतील. रंगनाथ पाठारे हे अध्यक्षीय भाषण करतील.

चर्चासत्राच्या उर्वरित सत्रामध्ये प्रा. नितीन रिंढे कथा आणि कांदबरी या विषयावर, एकनाथ पगार कवितेवर, आशुतोष पोतदार नाटकासंबंधी, अरुणा दुभाषी समीक्षेसंबंधी, प्रभाकर साहित्य इतिहासासंबंधी, अंजली मस्करेन्हास आदिवासी साहित्यासंबंधी शोधनिबंध सादर करतील. बुधवारी सकाळी १०.३० पासून या चर्चासत्राला प्रारंभ होईल. साहित्य अकादमीच्या युट्यूबवर हा कार्यक्रम पाहता येईल. करोनाकाळात साहित्य अकादमीने वेबिनार श्रृखंलेचे आयोजन केले. या माध्यमातून साहित्यप्रेमी एकमेकांशी संवाद, चर्चा करू शकले. सुरुवातीला साहित्य मंच, नारी चेतना, अस्मिता, काव्य संमेलन, पुस्तक चर्चा असे कार्यक्रम लहान प्रमाणात करण्यात येत होते.